# CIJ–01

**June – Examination 2024**

# Certificate in Phalit Jyotish Examination

## PHALIT JYOTISH KA SAIDDHANTIK GYAN

## (फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान)

**Paper : CIJ-01**

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **2×10=20**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) अश्वनी नक्षत्र के स्वामी देवता कौन हैं ?

   (ii) पुरुष राशियाँ कौनसी हैं ?

(iii) एक योग का मान कितना होता है ?

(iv) कुटुम्ब का विचार किस भाव से किया जाता है ?

(v) ग्रहों का मैत्री सम्बन्ध कितने प्रकार का होता है ?

(vi) शनि का मूल त्रिकोण भाव है ?

(vii) भाव किसे कहते हैं ?

(viii) आकृति योग कितने प्रकार के बताए गए हैं ?

(ix) आजीविका सम्बन्ध में गुरु के क्या कारकतत्व हैं ?

(x) कण्ठ का विचार कुण्डली के किस भाव से किया जाता है ?

**खण्ड—ब** **10×4=40**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. जन्म नक्षत्र के आधार पर पाया का निर्धारण तालिका सहित प्रस्तुत कीजिए।

3. द्वितीयेश व द्वादशेश सूर्य और चन्द्रमा हों तो उसका फल लिखिए।

4. भावों के सामूहिक नाम पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

5. मालायोग का वर्णन कीजिए।



6. दशम भाव में राशि तत्वों द्वारा आजीविका विचार का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

7. कुण्डली में लेखक बनने के योग को स्पष्ट कीजिए।

8. पिण्डायु को स्पष्ट कीजिए।

9. आयुसाधन की जैमिनीय विधि को स्पष्ट कीजिए।

**खण्ड—स** **20×2=40**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. ज्योतिषशास्त्र के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए।

11. मेष राशि के स्वभाव एवं कारकत्व का वर्णन कीजिए।

12. जन्मकुण्डली में द्वादशभावों का वर्णन कीजिए।

13. चन्द्रमा ग्रह के द्वादश भावों में फलादेश का वर्णन कीजिए।